

भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2019-20

परिशिष्ट सारणी V.15: प्राथमिक सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के मुख्य वित्तीय संकेतक: राज्यवार

(राशि ₹ लाख में)

राज्य	2017-18				2018-19पी				कर्ज की तुलना में एनपीए का अनुपात (प्रतिशत में)		वसूली अनुपात (प्रतिशत में)	
	लाभ		हानि		लाभ		हानि		2018	2019	2018	2019
	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
<b>उत्तरी क्षेत्र</b>	<b>20</b>	<b>853</b>	<b>125</b>	<b>50,635</b>	<b>42</b>	<b>1893</b>	<b>103</b>	<b>38,143</b>	<b>57.0</b>	<b>62.7</b>	<b>21.4</b>	<b>22.5</b>
हरियाणा	0	0	19	23,401	0	0	19	19,885	74.8	79.4	16.4	10.2
हिमाचल प्रदेश	0	0	1	253	0	0	1	231.47	37.3	33.4	51.6	57.6
पंजाब	6	459	83	20,833	25	1467	64	11,737	56.3	65.0	19.6	25.3
राजस्थान	14	395	22	6,147	17	426	19	6,289	40.4	41.4	30.1	33.9
<b>मध्य क्षेत्र</b>	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
<b>पूर्वी क्षेत्र</b>	<b>7</b>	<b>965</b>	<b>17</b>	<b>3,960</b>	<b>9</b>	<b>1551</b>	<b>15</b>	<b>2,647</b>	<b>32.9</b>	<b>34.5</b>	<b>40.0</b>	<b>40.0</b>
ओडिशा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पश्चिम बंगाल	7	965	17	3,960	9	1551	15	2,647	32.9	34.5	40.0	40.0
<b>पश्चिमी क्षेत्र</b>	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
<b>दक्षिणी क्षेत्र</b>	<b>230</b>	<b>10,925</b>	<b>202</b>	<b>9,252</b>	<b>220</b>	<b>6,883</b>	<b>213</b>	<b>13,703</b>	<b>27.3</b>	<b>26.4</b>	<b>66.1</b>	<b>64.9</b>
कर्नाटक	38	1064.38	139	6,877	25	696	153	10,890	19.3	25.4	48.9	43.4
केरल	32	6629.55	43	2,111	52	3,227	23	2,391	31.1	28.1	62.2	64.8
तमिलनाडु	160	3,231	20	264	143	2,960	37	422	14.6	13.9	-	87.0
<b>अखिल भारतीय</b>	<b>257</b>	<b>12,743</b>	<b>344</b>	<b>63,846</b>	<b>271</b>	<b>10,327</b>	<b>331</b>	<b>54,493</b>	<b>38.4</b>	<b>39.4</b>	<b>41.1</b>	<b>40.7</b>

टिप्पणी : 1. पूर्णांकन के कारण घटकों को वास्तविक कुल में नहीं जोड़ा गया है।

2. 2014-15 के दौरान छत्तीसगढ़ के अल्प-कालिक सहकारी ऋण संरचना को दीर्घावधि के साथ सम्मिलित किया गया था। उसी प्रकार महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उड़ीसा की संरचनाएं अब कार्यरत नहीं हैं।

3. वित्तीय वर्ष के लिए वसूली 30 जून तक ली गई है।

4. 2018-19 का डेटा अंतिम है।